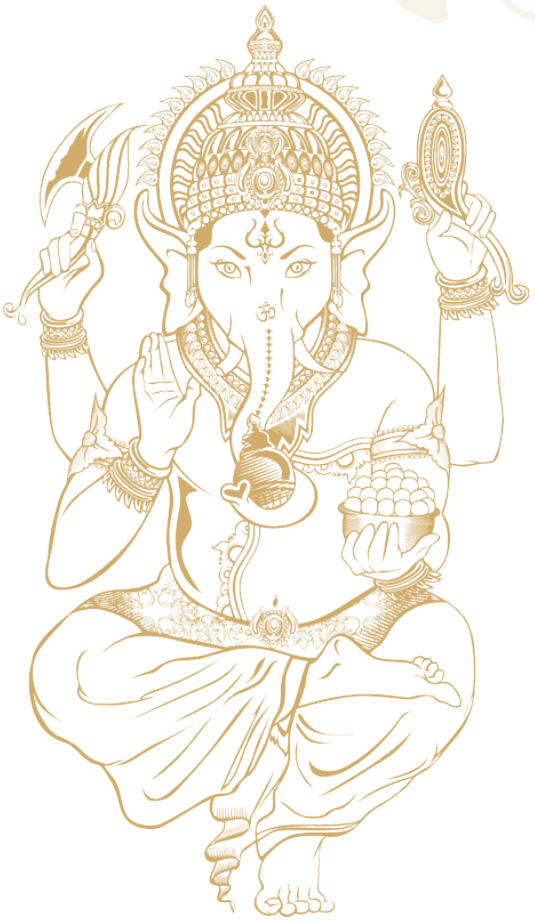

R

05 May 1991

02:51 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121127004

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/05/1991**
दिन	रविवार
जन्म समय	**14:51:00 घंटे**
इष्ट	23:02:41 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:29:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:16 घंटे
साम्पातिक काल	05:20:52 घंटे
सूर्योदय	05:37:55 घंटे
सूर्यास्त	18:58:18 घंटे
दिनमान	13:20:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	20:39:02 मेष
लग्न के अंश	27:38:48 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	साध्य
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोजराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:38:48	317:32:26	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			मेष	20:39:02	00:58:08	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
चंद्र			मक	02:32:59	11:51:33	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
मंगल			मिथु	24:04:29	00:34:05	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
बुध			मीन	26:09:30	00:31:54	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	नीच राशि
गुरु			कर्क	11:44:27	00:06:11	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			मिथु	02:07:33	01:07:50	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	मित्र राशि
शनि			मक	12:59:19	00:01:09	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु			धनु	27:27:58	00:00:24	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	नीच राशि
केतु			मिथु	27:27:58	00:00:24	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	19:57:21	00:00:50	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
नेप	व		धनु	22:57:08	00:00:31	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	25:23:01	00:01:40	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			वृष	27:16:23	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:25

लग्न-चलित

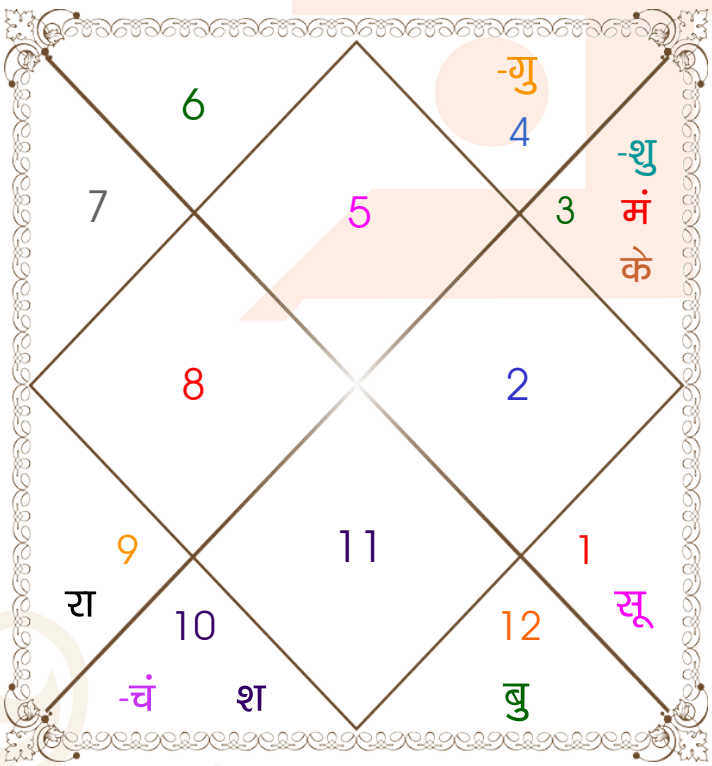

चन्द्र कुंडली

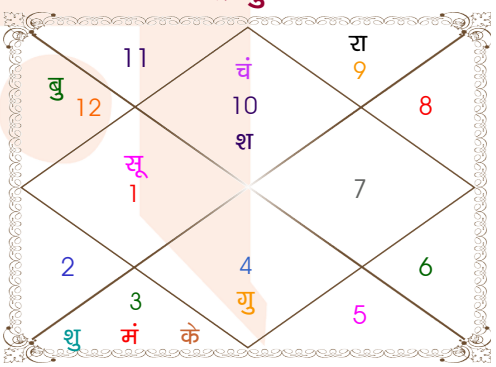

नवमांश कुंडली

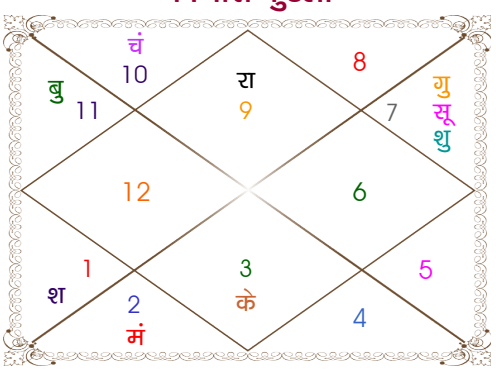

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 4 मास 7 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
05/05/1991		11/09/1994		10/09/2004		11/09/2011		10/09/2029	
11/09/1994		10/09/2004		11/09/2011		10/09/2029		10/09/2045	
	00/00/0000	चंद्र	12/07/1995	मंगल	06/02/2005	राहु	24/05/2014	गुरु	30/10/2031
	00/00/0000	मंगल	10/02/1996	राहु	25/02/2006	गुरु	17/10/2016	शनि	12/05/2034
	00/00/0000	राहु	11/08/1997	गुरु	01/02/2007	शनि	24/08/2019	बुध	17/08/2036
	05/05/1991	गुरु	11/12/1998	शनि	12/03/2008	बुध	12/03/2022	केतु	24/07/2037
गुरु	18/07/1991	शनि	11/07/2000	बुध	09/03/2009	केतु	31/03/2023	शुक्र	24/03/2040
शनि	29/06/1992	बुध	11/12/2001	केतु	05/08/2009	शुक्र	30/03/2026	सूर्य	10/01/2041
बुध	06/05/1993	केतु	12/07/2002	शुक्र	05/10/2010	सूर्य	22/02/2027	चंद्र	12/05/2042
केतु	10/09/1993	शुक्र	12/03/2004	सूर्य	10/02/2011	चंद्र	23/08/2028	मंगल	18/04/2043
शुक्र	11/09/1994	सूर्य	10/09/2004	चंद्र	11/09/2011	मंगल	10/09/2029	राहु	10/09/2045

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/09/2045		10/09/2064		10/09/2081		10/09/2088		11/09/2108	
10/09/2064		10/09/2081		10/09/2088		11/09/2108		00/00/0000	
शनि	13/09/2048	बुध	07/02/2067	केतु	07/02/2082	शुक्र	11/01/2092	सूर्य	30/12/2108
बुध	24/05/2051	केतु	04/02/2068	शुक्र	09/04/2083	सूर्य	10/01/2093	चंद्र	30/06/2109
केतु	02/07/2052	शुक्र	05/12/2070	सूर्य	15/08/2083	चंद्र	11/09/2094	मंगल	05/11/2109
शुक्र	02/09/2055	सूर्य	11/10/2071	चंद्र	15/03/2084	मंगल	11/11/2095	राहु	30/09/2110
सूर्य	14/08/2056	चंद्र	12/03/2073	मंगल	11/08/2084	राहु	11/11/2098	गुरु	06/05/2111
चंद्र	15/03/2058	मंगल	09/03/2074	राहु	29/08/2085	गुरु	13/07/2101		00/00/0000
मंगल	24/04/2059	राहु	25/09/2076	गुरु	05/08/2086	शनि	11/09/2104		00/00/0000
राहु	28/02/2062	गुरु	01/01/2079	शनि	14/09/2087	बुध	13/07/2107		00/00/0000
गुरु	10/09/2064	शनि	10/09/2081	बुध	10/09/2088	केतु	11/09/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 4 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।